श्री कलराज मिश्र

माननीय राज्यपाल, राजस्थान का उद्‌बोधन

अपना घर

दिनांक 04 फरवरी, 2020 **समय प्रातः 11.00 बजे**

स्थान – शामली उत्तर प्रदेश

शामली नगर में अपना घर आश्रम की स्थापना दिनांक 29 जनवरी 2015 को हुई थी। अब से पांच वर्ष पहले हुई

थी। उत्तर प्रदेश में यह पहला अपना घर आश्रम था, अब तो यहां उत्तर प्रदेश में 9 ऐसे आश्रम ओर बन गये हैं।

मुझे यह बताते हुए खुशी है कि इस तरह के आश्रम का सबसे पहला प्रयास भरतपुर में हुआ। भरतपुर राजस्थान में है। में गौरव महसूस कर रहा हूँ कि मैं आज राजस्थान में गवर्नर के पद पर हूँ। मुझे जानकारी मिली है कि अब तक भरतपुर वाला आश्रम 3000 बैड का था तथा अप्रैल माह से ओर एक नया 8000 बैड का आश्रम का निर्माण कार्य आरम्भ होने जा रहा है।

मैं साधुवाद देना चाहता हूँ, उन लोगों को जो प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से इन आश्रमों से जुड़े हुए हैं। यह देश हित का कार्य है। इन आश्रमों में असहाय लोग व ऐसे लोग जिन्हें सबने नकार दिया है, जिनका न कोई घर है और न ही कोई ठिकाना, ऐसे व्यक्तियों के लिये अपना घर आश्रम ही उनका अपना घर है।

आश्रम में रहने वाले लोगों को प्रभुजी कहा जाता है। आश्रम में लोगों की सेवा की जाती है। उनके खाने पीने का, उनके रहने का, उनकी दवाई का इन्तजाम किया जाता है। इतनी बड़ी सेवा किसी और कार्य में नहीं हो सकती।

मैं समझता हूँ इस तरह के आश्रमों से हमारे देश में कुछ दिनों में एक भी भिखारी नहीं रहेगा। मुझे यहां आकर

बहुत खुशी मिली है। मैं कोशिश करूगा जब भी भरतपुर जाऊंगा तो वहॉ अपना घर आश्रम में जरूर जाऊंगा।

गत 26 नवम्बर को पूरे देश में 70 वां संविधान दिवस मनाया गया। आपको बताना चाहता हूँ कि संविधान हमारा मार्गदर्शक है। हमारा मूल ग्रन्थ है। संविधान की प्रस्तावना में राष्ट्र की मूल भावना का उल्लेख है। संविधान ने हमें मौलिक अधिकार दिये हैं। संविधान के अनुच्छेद 51 क में हमारे द्वारा किये जाने वाले कर्त्तव्यों को परिभाशित किया गया है। मौलिक अधिकार और कर्त्तव्य, यह दोनों ही संविधान के प्रमुख स्तम्भ हैं। मौलिक अधिकारों की तो हम बात करते हैं, लेकिन आवश्यकता है कि हम हमारे कर्त्तव्यों को जानें, समझें और उनके अनुरूप ही अपना कार्य और व्यवहार करें।

आप लोग राष्ट्र निर्माण में आपको महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। इसलिए संविधान में प्रदत्त कर्त्तव्यों को आप लोग आचरण में लाकर आगे बढ़ें। यदि हम सभी ने ऐसा प्रयास किया तो निश्चित तौर पर भारत देश को आगे बढ़ाने में और स्वयं के जीवन को भी प्रोनन्त करने में यह कदम बेहतरीन साबित होगा।

आमजन को संविधान की जानकारी होना आवश्यक है। राष्ट्रीय एकता, अखण्ड़ता व सामाजिक समरसता के लिए कर्त्तव्यों का निर्वहन करना होगा।

मै डा0 भारद्वाज और उनकी पत्नी को विशेष रूप से साधुवाद देता हूँ। आर्शीवाद देता हूँ कि उन्होंने इतना अच्छा कार्य प्रारम्भ किया और हमेशा वे ऐसे कार्य करते रहेंगे।

धन्यवाद जय हिन्द।